# रटो राधा राधा जपो राधा राधा राधा

रटो राधा राधा जपो राधा राधा राधा
राधा नाम मिटावे जीवन की हर वाधा,
रटो राधा राधा जपो राधा राधा राधा

शुभ सनकादि शेष और शारद,
राधा नाम रटे शिव नानक
तिहु लोक लहराए राधा नाम की पता का,
रटो राधा राधा जपो राधा राधा राधा

राधा नाम सर्व सुख दाई
महिमा वेद पुराणां गाई,
संत भक्त ऋषि मुनियो ने नाम यही साँझा,
रटो राधा राधा जपो राधा राधा राधा

राधा नाम मिश्री सु मीठा,
पुनि पुनि गावत आवत झूठा,
राधा नाम की महिमा ब्रिज धाम में अगाधा
रटो राधा राधा जपो राधा राधा राधा

राधा नाम में अध्भुध मस्ती,
राधा नाम से मिले हरी भक्ति,
राधा नाम मधुप हरी प्रेम को दाता,
रटो राधा राधा जपो राधा राधा राधा

बृषभानु कुवरी जब देखु तब जन्म सफल कर लेखु,
मैं राधा राधा गाऊ और राधा हित ही वेणु भजाउ,
मैं राधा रमन कहाऊ क्यों दूजो नाम धराऊ,
जय राधा चर्चा कीजिए वह प्रथम जान मोहे लीजिए ,
जय राधा राधा गावे तेह सुन ने को हम आवे,
श्री राधा राधा राधा राधा राधा
जन राधा राधा राधा गावे तन सुन ने को आवे,
श्री राधा तेरी शोभा श्री राधा को चित लोबा,
मैं राधा संग ही निको और राधा बिन मैं फीको.
राधा राधा राधा राधा राधा,
रटो राधा राधा जपो राधा राधा राधा

**कवि** : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण 'मधुप' (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)
**स्वर** : सर्व मोहन (टीनू सिंह)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/14864/title/rato-radha-radha-japo-radha-radha

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |